आईआईएम रांची: नौवें दीक्षांत समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने छात्रों को देश के लिए समर्पित रहने का आह्वान किया

देश के विकास में भागीदारी निभाएं युवा : राजनाथ

रांची | संवाददाता

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), रांची के नौवें दीक्षांत समारोह में सोमवार को मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने भारत के विकास के लिए विद्यार्थियों से सहयोग की अपील की और कहा कि भारत का इतिहास काफी स्वर्णिम है। इससे सीख लेकर युवा देश के विकास में भागीदार बनें।

भारत ऋषि-मुनी काल से प्रबंधन और कौशल में आगे रहा है। चिकित्सा, विज्ञान, खगोल विज्ञान, तकनीक आदि में भारत ने पूरे विश्व को राह दिखाई, लेकिन किन्हीं कारणों से इसका श्रेय पश्चिमी देशों को मिल गया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि इस कोरोना संकट में कई देशों ने घुटने टेक दिए। विपरीत परिस्थिति में बेहतर प्रबंध कौशल का नमूना भारत ने विश्व को दिखाया, जिसे पूरी दुनिया ने माना भी।

तकनीकी विकास करें : राजनाथ सिंह ने विद्यार्थियों को मानव कल्याण के लिए तकनीक का विकास करने की सीख दी। कहा कि अपनी कल्पना शक्ति का उपयोग तकनीक के विकास में करें, जिसका फायदा देश को मिले।

झारखंड के विकास में बनें भागीदार : राजनाथ सिंह ने डिग्रा पानेवाले विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए राज्य के विकास में भागीदार बनने की सलाह दी। उन्होंने झारखंड की खनिज संपदा और प्राकृतिक संसाधनों के साथ यहां के इतिहास पर भी चर्चा की।

हम भारत को सुपर पावर बनाना चाहते हैं : रक्षामंत्री ने कहा कि भारत में सुपर पावर बनने की क्षमता है और इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने की आवश्यकता है।

आईआईएम रांची के दीक्षांत समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित किया। • हिन्दुस्तान

होनहारों को किया गया सम्मानित, 272 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

रांची | संवाददाता

दीक्षांत समारोह में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) के 2018-20 सत्र के तीन विभागों से शीर्ष पांच-पांच विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन का मेडल प्रदान किया गया। साथ ही दो विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार से नवाजा गया। 272 विद्यार्थियों को डिग्री दी गयी। पीएचडी के तीन, एमबीए के 182, एमबीए-एचआरएम के 66 और प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यकारी कार्यक्रम (पीजीएएक्सपी) के 21 विद्यार्थी शामिल थे।

जसमीत सिंह बिंद्रा को सिग्नेचर अवॉर्ड : एमबीए के टॉपर जसमीत सिंह बिंद्रा को आईसीएसई हस्ताक्षर पुरस्कार भी दिया गया। उन्हें यह स्वर्ण पदक एमबीए प्रोग्राम में सर्वोच्च सीजीपीए हासिल करने के लिए प्रदान किया गया। उनके अलावा आलोक राज को आशीष हजेला मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया। आलोक को प्रो एमबीए प्रोग्राम में स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट एरिया में उच्चतम जीपीए हासिल करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया।

शीर्ष पांच में शामिल होना लक्ष्य : पंड्या - चेयरमैन बोर्ड ऑफ गवर्नेंस आईआईएम रांची प्रवीण शंकर पंड्या ने कहा कि रांची में आईआईएम एक छोटी अवधि में विकसित हुआ है। हमारा लक्ष्य भारत में शीर्ष पांच प्रबंधन संस्थानों में शामिल होना है। कुछ साल पहले हम शीर्ष 30 में थे और अब हम 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान को शीर्ष में ले जाने के लिए विद्यार्थियों को जीतोड़ मेहनत करनी होगी। वे बड़े सपने देखें और इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा दिमाग को उद्यमी बनना चाहिए और छात्रों को अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

निदेशक ने संस्थान की उपलब्धियां गिनाईं

आईआईएम रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण के बाद संस्थान के बारे में संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि एमएचआरडी एमओयू के मानदंडों के आधार पर संस्थान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और छात्रों ने कुछ नाम रखने के लिए संस्थान को 60 अवार्ड, टाटा मोटर, टाटा स्टील, आरबीआई अवार्ड्स, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज जैसे कई लॉरेल्स लाए हैं। हमने विनिमय कार्यक्रम के लिए नौ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें ग्रीस, यूएसए, कनाडा, चीन सहित कई देशों के संस्थान शामिल हैं। उन्होंने अपने अनुसंधान और प्रकाशनों के लिए संकाय सदस्यों की उपलब्धियों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि आईआईएम रांची ने कई अन्य पहल किए हैं, जिनमें प्रभावी नीति अनुसंधान का कार्य शामिल हैं। अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर ऑन लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस और बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल स्टडीज के माध्यम से आदिवासी समुदायों के बीच कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भाइयों ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया

आईआईएम रांची के एग्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री इन मैनेजमेंट प्रोग्राम में दो भाईयों कौशिक चोपड़ा और आशीष चोपड़ा ने क्रमशः पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। कौशिक चोपड़ा ने 9.01 सीजीपीए लेकर पहला स्थान हासिल किया। उनके छोटे भाई आशीष चोपड़ा ने 8.93 सीजीपीए लेकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। आशीष चोपड़ा ने अपनी मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई बीआईटी मेइसरा से की है और वे रांची में एक कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर के पद में कार्यरत हैं। दोनों भाइयों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार के अन्य सदस्यों और शिक्षकों को दिया। इनके पिता तेज प्रताप चोपड़ा हाल ही में मेकॉन से जनरल मैनेजर

इनको मिला सम्मान

एमबीए से
- जसमीत सिंह बिंद्रा (चेयरमैन मेडल)
- हुतांशु कमल (डायरेक्टर मेडल)
- राहुल सिन्हा (प्रोग्राम चेयरमैन मेडल)
- ठक्कर खुशाल हितेश (बुक प्राइज)
- दीमिल कुमार नरेंद्र भाई पटेल (बुक प्राइज)

एमबीए-एचआरएम
- सुरभि शेट्टी (चेयरमैन मेडल)
- कनुप्रिया जैन (डायरेक्टर मेडल)
- कोंडेला हारिठा (प्रोग्राम चेयरमैन मेडल)
- गजल (बुक प्राइज)
- ऋतुपर्णा (बुक प्राइज)

एक्सक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री इन मैनेजमेंट
- कौशिक चोपड़ा (चेयरमैन मेडल)
- आशीष चोपड़ा (डायरेक्टर मेडल)
- अंकुर मंडल (प्रोग्राम चेयरमैन मेडल)
- विशाल (बुक प्राइज)
- अविनाश कुमार (बुक प्राइज)

आइसीएसआई सिग्नेचर अवार्ड
- जसमीत सिंह बिंद्रा

लेट प्रोफेसर आशीष हजेला मेमोरियल अवॉर्ड
- आलोक राज

Hindustan, 29.12.2020, Pg.6